श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

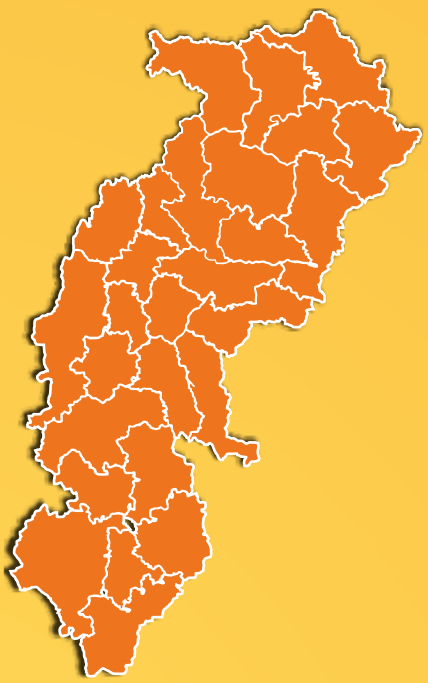

नई रेल
नया छत्तीसगढ़

2014 से प्रगति पथ की नई यात्रा

बस्तर संसदीय क्षेत्र

भारतीय रेल • INDIAN RAILWAYS

प्रस्तावना

श्री सुनील सिंह सोइन
महाप्रबंधक
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भारतीय रेलवे हमारे राष्ट्र की जीवन रेखा है। इसने देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में सदैव से उत्प्रेरक का काम किया है। समान रूप से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपनी स्थापना के बाद से ही छत्तीसगढ़ राज्य की सामाजिक–आर्थिक प्रगति में सहयोगी की भूमिका निभाती रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की स्थापना 1 अप्रैल, 2003 को हुई थी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का 46% रेल नेटवर्क छत्तीसगढ़ में अवस्थित है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के साथ–साथ पूर्व तट रेलवे भी छत्तीसगढ़ को सेवाएं प्रदान करती है। माल ढुलाई में अग्रणी ज़ोन होने के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को निरंतर गति प्रदान करती रही है। खनिज संपन्न राज्य होने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क के विस्तार की अत्याधिक आवश्यकता है। इस आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए रेलवे एवं छत्तीसगढ़ सरकार आपसी सहयोग के साथ काम कर रहे है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार एवं रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से कई परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में, विगत 4 वर्षों में रेल परियोजनाओं से संबन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक तरफ रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार लौह संपन्न परंतु दुर्गम रावघाट तक किया जा रहा है तो दूसरी ओर दो महत्वपूर्ण कारीडोर के द्वारा पूर्व मध्य छत्तीसगढ़ के कोयला संपन्न मांड क्षेत्र तक रेल परिवहन सुविधा पहुंचाई जा रही है। इसके अतिरिक्त दो नई लाइनों, खरसिया–बलौदाबाजार–नया रायपुर–दुर्ग तथा कटघोरा–कवर्धा–डोंगरगढ़ के लिए सैद्धांतिक सहमति रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदान कर दी गई है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के पश्चात, छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों तक रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा तथा राज्य के अनेक अनछुए क्षेत्रों में विकास के नवीन द्वार खुलेंगे। इस ब्रोशर का लक्ष्य छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हालिया, अतीत एवं वर्तमान की परियोजनाओं एवं कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों को सूचीबद्ध करना है।

हमारे कर्मचारियों के अथक प्रयास एवं यात्रियों के सहयोग के कारण क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा कराये गये थर्ड पार्टी आडिट के आधार पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को स्वच्छतम ज़ोन घोषित किया गया है। हम सभी छत्तीसगढ़ में रेलवे के और अधिक विकास के लिये कृत संकल्प है।

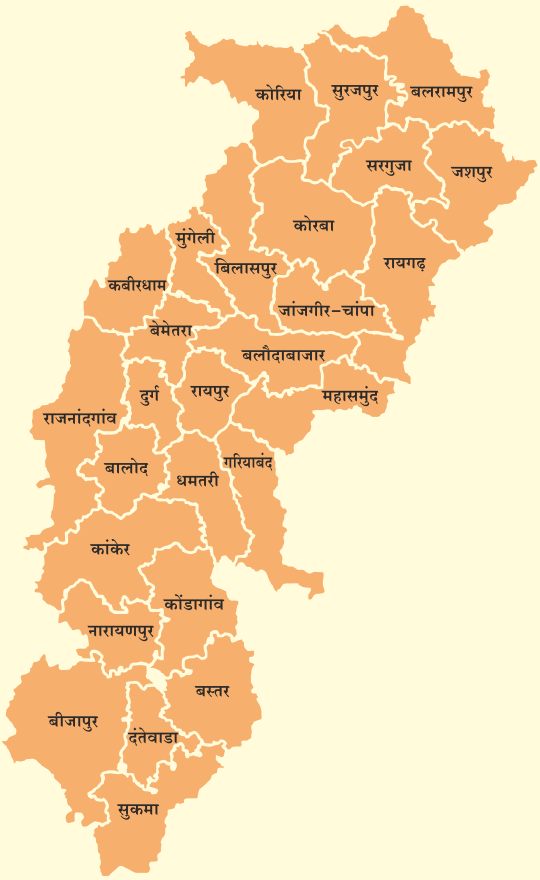

बस्तर संसदीय क्षेत्र

क. विधान सभा क्षेत्रः

कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाडा, बीजापुर, कोंटा।

ख. पिछले 4 वर्षों में पूरे किये गए कार्यः

ख1. आधारभूत संरचना के विकास कार्य

- ₹ 600 करोड़ की लागत से जगदलपुर एवं सिलकझोरी 46 किलोमीटर लाइन का दोहरीकरण।
- ₹ 2 करोड़ की लागत से बोदेरापुर–डिलमिली के बीच लेवल क्रासिंग नं. KK-94 एवं KK-96 तथा सिलकझोरी–कुमहरसोदरा के बीच लेवल क्रासिंग नं. KK-98 पर रोड अंडर ब्रिज का निर्माण।

ख2. यात्री सुविधाएं

- ₹ 8 करोड़ की लागत से चतरीपुट एवं किरंदुल स्टेशनों के मध्य स्टेशनों के प्लेटफार्म का 14 कोच की क्षमता हेतु विस्तार।
- ₹ 1 लाख की सांसद निधि से जगदलपुर स्टेशन पर 3 सीटेड स्टील, कांक्रीट बेंचो की व्यवस्था।
- ₹ 3 लाख की लागत से जगदलपुर स्टेशन पर दो पेशाबघरों की व्यवस्था।
- ₹ 3 लाख की लागत से जगदलपुर एवं किरंदुल स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया का विकास।

ग. अन्य कार्यः

- विशाखापट्टनम–जगदलपुर–विशाखापट्टनम स्पेशल ट्रेन की शुरूआत एवं जगदलपुर से किरंदुल तक विस्तार।

घ. कार्य प्रगति परः

- ₹ 1,679 करोड़ की लागत से अमागुरा से किरंदुल तक 120 किलोमीटर रेल लाइन का दोहरीकरण।
- महत्वपूर्ण डी एवं इ क्लास स्टेशनों पर दिव्यांग फ्रेंडली टायलेट का प्रावधान।
- विभिन्न स्टेशनों पर बैठने हेतु आरसीसी बेंचो की व्यवस्था।
- ₹ 7 करोड़ की लागत से जगदलपुर स्टेशन पर नई पिट लाइन का निर्माण।
- 235 किलोमीटर दल्लीराझरा–रावघाट–जगदलपुर नई लाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर (अनुमानित लागत ₹ 3,741 करोड़)।

कुछ महत्वपूर्ण फोटोग्राफ

माननीय सांसद द्वारा जगदलपुर स्टेशन पर
फुट ओवरब्रिज का उद्घाटन

जगदलपुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का उन्नयन

जगदलपुर स्टेशन पर विशाखापट्टनम–जगदलपुर स्पेशल ट्रेन के विस्तार कार्यक्रम का आयोजन

गीदम–दंतेवाड़ा लाइन का दोहरीकरण

गीदम–दंतेवाड़ा लाइन के दोहरीकरण का सीआरएस निरीक्षण